



# Ramakrishna Mission Vidyapith

P.O. – Vivekananda Nagar, Dist. – Purulia, West Bengal - 723147

(A Branch Centre of Ramakrishna Mission, Belur Math, Howrah, West Bengal – 711202)

Phone: 9609535336, 6297283340 ; Email: rkmvpurulia@gmail.com ; Web: www.rkmvpurulia.in

## RECRUITMENT OF ASSISTANT TEACHERS

SECONDARY SECTION

SUBJECT : HINDI

SYLLABUS

### हिन्दी साहित्य का इतिहास : धाराएँ और प्रवृत्तिगत अध्ययन

(क) काल विभाजन और नामकरण ।

(ख) आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

(ग) पूर्व मध्यकाल : भक्तिकाव्य की प्रमुख धाराएँ – सगुण और निर्गुण, राम भक्ति शाखा, सूफी प्रेमाख्यानक काव्य की विशेषताएँ, संत काव्य की विशेषताएँ ।

(घ) उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल की धाराएँ और प्रवृत्तियाँ ।

(ङ) आधुनिक काल : नवजागरण युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का योगदान, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, जनवाद ।

(च) हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ : उपन्यास, कहानी और नाटक का विकास ।

(छ) टिप्पणियाँ : सरहपा, पृथ्वीराज रासो, विद्यापति, अमीर खुसरो, रामानंद, अष्टछाप, रसखान, रहीम, उदंत-मार्तण्ड: बालकृष्ण भट्ट, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', रामचंद्र शुक्ल, माखनलाल चतुर्वेदी, सुमित्रानंदन पंत, गोदान, कामायनी, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध ।

### मध्ययुगीन काव्य : संपादक – ब्रजनारायण सिंह

(क) कबीर : साखी 1 से 30 : रहस्य साधना, कबीर का विद्रोह और समाज दर्शन, कबीर के राम और तुलसी के राम में अंतर, कबीर की भक्ति-भावना ।

(ख) सूरदास : पदसंख्या 1, 4, 5, 7, 10, 11, 14, 17 तथा 20 । सूर की भक्ति-भावना, वात्सल्य वर्णन, भ्रमरगीत में वाग्वैदग्ध्य, सूर काव्य में मुरली का महत्व ।

भ्रमरगीत : विप्रलम्भ शृंगार का काव्य ।

(ग) तुलसी : विनयपत्रिका 1, 4, 5 पुष्पवाटिका 7, 8 । भक्ति-भावना, लोकमंगल की भावना, पुष्पवाटिका का काव्य माधुर्य ।

(घ) बिहारी : दोहा संख्या 1, 3, 6, 7, 8, 10, 11, 13, 14, 15, 22, 23, 24, 27 और 28 । रीति काव्य में बिहारी का स्थान, बिहारी की भाषा, दोहों में गागर में सागर ।

(ङ) भूषण पदसंख्या 1, 3, 5, 7, 10, 14, तथा 15 । भूषण की वीर भावना, भूषण का राष्ट्र-प्रेम ।

(च) प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी की श्रेष्ठ रचनायें, सम्पादक : वाचस्पति पाठक ।

(अ) प्रसाद : हिमाद्रि तुंग शृंग से, जागरी, मेरे नाविक, अरी वरुणा की शांत कछार, तुमुल कोलाहल कलह में, छायावाद में स्थान, प्रेम और सौन्दर्य-भावना, गीतितत्व ।

(आ) निराला-भारती वंदना, बसंत आया, जागो फिर एक बार, बादल राग । स्नेह निर्झर बह गया है । काव्य-सौष्ठव, राग और ओज तत्व, सरोज-स्मृति की मार्मिकता मुक्तछंद ।

(इ) महादेवी – जीवन विरह का जलजात, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, तुम मुझ में प्रिय ! फिर परिचय क्या, मैं नीर भरी दुख की बदली, हे चिर महान । छायावाद में स्थान, विरह भावना, प्रगीत तत्व । आधुनिक युग की मीरा, रहस्यवाद ।

(छ) एकत्र : संपादक वचन सिंह

अज्ञेय : काव्यगत विशेषताएँ, नयी कविता और अज्ञेय ।

नागार्जुन : काव्यगत विशेषताएँ ।

(ज) "गद्य के विविध रंग" संपादक – दूधनाथ सिंह

प्रेमचंद, हजारी प्रसाद द्विवेदी, महादेवी वर्मा, अज्ञेय और हरिशंकर परसाई के निबंध तथा निबंध शैली ।

नाटक : ध्रुवस्वामिनी : प्रसाद

(इ) उपन्यास "गबन" प्रेमचन्द्र ।

(ज) "तमस" भीष्म साहनी।

(ट) कहानी संग्रह "कथाभारती" संपादक : लक्ष्मीनारायण लाल : कफन,  
आकाशदीप, पराया सुख, गदल ।

(ठ) **व्याकरण:**

संज्ञा, सर्वनाम, संधि, समास, कारक का प्रयोग, क्रिया के विभिन्न भेद,  
काल, विशेषण के भेद, वाक्य, संशोधन, वाच्य, प्रत्यय, उपसर्ग, सार संक्षेप,  
भाव-विस्तार, मुहावरे ।